हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

12 नारियल फोड़कर करवाया कच्ची गलियों के ...

12 दिल्ली जीत पर भिवानी में जश्न, बंटी मिठाइयां

खबर संक्षेप

10 साल की बच्ची को परिजनों से मिलवाया

भिवानी। भिवानी पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ के साथ कार्रवाई करते हुए गुम हुई 10 वर्षीय बच्ची को व्यापक सर्च अभियान के तहत सुरक्षित बरामद कर लिया और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। 6 फरवरी को बच्ची के लापता होने की सूचना परिजनों द्वारा कंट्रोल रूम भिवानी में दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसपी भिवानी के निर्देशानुसार 02 दर्जन विशेष टीम गठित की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप, कुछ ही घंटों में बच्ची को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश से सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

बीआर स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा 12 को होगी

चरखी दादरी। बिरही कलां स्थित बी आर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 12 फरवरी बुधवार को स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन किया जाएगा । इस परीक्षा का आयोजन कक्षा पहली से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए किया जाएगा । विद्यालय के सीनियर विंग इंचार्ज सुजीत वशिष्ठ ने बताया कि जिस कक्षा में विद्यार्थी पढ़ रहा है वही सिलेबस परीक्षा में आएगा । परीक्षा में हिंदी, इंग्लिश, मैथ, साइंस और सोशल साइंस से संबंधित वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे । उन्होंने बताया कि भैरवी, चरखी, मानकावास, पांडवान, बिरही, खेड़ी बुरा, खेड़ी बत्तर, बादल, झोझू, मेहड़ा, तिवाला, शिशवाला, रासीवास, नरसिंहवास, छपार, बरसाना, पीचौपा कलां, पीचौपा खुर्द, बिलावल,अटेला आदि सभी गावों में बस सुविधा उपलब्ध रहेगी।

दो दिवसीय सत्संग और भंडारा 11 व 12 को

भिवानी। बाबा रूपनाथ जनकल्याण समिति दिनोद द्वारा बाबा रूपनाथ जी महाराज की 28वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 11 व 12 फरवरी को कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बाबा रूपनाथ जनकल्याण समिति के अध्यक्ष राजवीर मेहरा, कोषाध्यक्ष सनिपाल मास्टर व महासचिव सोमबीर शास्त्री ने बताया कि कार्यकम का आयोजन गांव दिनोद के शिव धाम, बाबा रूपनाथ डेरा में आयोजित होगा। बाबा रूपनाथ जी महाराज की 28वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 11 फरवरी को रात 8 बजे से सत्संग एवं 12 को सुबह 10 बजे से भंडारा होगा।

हाइवे पर पेड़ से टकराई कार, युवक की मौत

बाढ़ड़ा। नेशनल हाईवे 334 बी पर मांढी हरिया के समीप नीलगाय कार के सामने आने से कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। जिसके कारण गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और गाड़ी सवार पांच लोगों को चोटें लगी। जिसमें गंभीर रूप से घायल मांढी केहर निवासी अनिकेत को गंभीर हालात में हिसार ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी अनुसार मांढी केहर निवासी अनिकेत अपने दोस्त सचिन, मोहित, नवीन, व अनिल के साथ कार में सवार होकर मांढी से खेड़ा थूरा जा रहा था।

प्रदर्शनकारी रिटायर्ड कर्मचारियों ने कस्बे में निकाला जुलूस

मांगों को लेकर रिटायर्ड कर्मचारियों ने विधायक वाल्मीकि को सौंपा ज्ञापन

बवानीखेड़ा। मांगों को लेकर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपते और कस्बे में जुलूस निकालते रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानी खेड़ा

- सेवानिवृत कर्मचारियों की 15 साल तक की गई कोमूट राशि को वापस किया जाए और नए रिटायर्ड कर्मचारियों की कोमूट की गई राशि 10 साल आठ माह की काटी जाए।

कस्बे में शनिवार को रिटायर्ड संघ(संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पैशनर्ज फैडरेशन) बवानीखेड़ा ब्रांच ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रधान संतु सिंह की अध्यक्षता में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व प्रदर्शनकारी रिटायर्ड कर्मचारियों ने कस्बे में जुलूस निकाला। सेवानिवृत कर्मचारियों ने नारेबाजी की। बाद में सौंपे गए ज्ञापन के बाद विधायक श्री वाल्मीकि ने उनकी मांग सीएम के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

रिटायर्ड कर्मचारी कस्बा स्थित शहीद गुलाब सिंह पार्क में एकत्रित हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में कस्बे के मुख्य बाजार से होते हुए विधायक के पास पहुंच और विधायक को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रदर्शनकारी रिटायर्ड कर्मचारियों ने बताया कि पैंशनर्स कर्मचारियों की कोमूट की राशि को करीब 15 साल तक काटा जाता है,जबकि अदालत ने भी 10 साल आठ माह का समय बताया है। उसके बाद बावजूद भी सरकार राशि को 15 साल तक काट रही है। जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की 15 साल तक की गई कोमूट राशि को वापस किया जाए और नए रिटायर्ड कर्मचारियों की कोमूट की गई राशि 10 साल आठ माह की काटी जाए। पैशनर्स को 65 वर्ष की आयु पर दस तथा 75 वर्ष की आयु होने पर 20 प्रतिशत बेसिक वेतन वृद्धि दिए जाने,मेडिकल भत्ता 3000 मासिक बिना शर्त करने,पैशनर्स को कैशलैश मेडिकल सुविधा देने, वरिष्ठ नागरिको को एसी व वोल्वो निजी बसों के किराये में रियायत देने, रेलवे व हवाई यात्रा के किराए में रियायती सुविधा के लिए केंद्र सरकार को लिखा जाए,पैंशनर व पारिवारिक पैंशनर्स को पुरानी पैंशन लागू करने तथा इसको आयकर से मुक्त रखने,परिवारिक पैंशनर्स को एलटीसी की सुविधा देने, सभी रिटायर्ड कर्मचारियों को एलटीसी ब्लाक वर्ष के प्रथम वर्ष में देने, कोरोना काल का 18 माह का महंगाई भत्ते का बकाया एरियर देने, कर्मचारी द्वारा छह माह से ज्यादा सरकारी सेवा करने के बाद सेवानिवृति पर एक वेतन वृद्धि दी जाए व अदालत द्वारा कर्मचारी के हित के सभी फैसलों को जरनलाइज करने, रिटायर्ड कर्मचारी की मृत्यु के बाद सामाजिक सुरक्षा के लिए दी जाने वाली बुढ़ापा पेंशन उनकी पत्नियों या पतियों को दी जाने,किसानों को एमएसपी दी जाने, श्रमिक विरोधी के श्रम कानून बंद करने,सभी तरह के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने,को ऑपरेटिव,स्थानीय निकाय, मान्यता प्राप्त स्कूलों के रिटायर्ड को न्यूनत्तम पेंशन 20 हजार रुपये करने,रिटायर्ड पीटीआई,ड्राइंग टीचर को उनकी दस साल की नियमित सेवा का पूरा लाभी एक साथ तुरंत दिए जाने की मांग की। इस पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने सीएम नायब सैनी से मिलकर जल्द पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सचिव नेपाल सिंह तंवर,कोषाध्यक्ष हरफूल सिंह, रामनिवास काजल, मास्टर बनारसी दास, पूर्व प्राचार्य कृष्ण,रामकिशन काजल, चंद्रभान, जुगल किशोर शर्मा, नानड़, मास्टर राधेश्याम के अलावा अनेक रिटार्यड कर्मचारी उपस्थित थे।

भिवानी। सांसद धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों और मजदूरों की मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- धर्मबीर सिंह बोले : लोकसभा में रखेंगे मांग

संयुक्त किसान मोर्चा भिवानी के प्रतिनिधि मंडल ने भिवानी महेन्द्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के निवास पर जाकर किसानों , मजदूरों व आम नागरिक की मांगों से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा तथा इन मांगों को संसद में उठाने की मांग की , सांसद ने उनकी मांगों को संसद में उठाने का आश्वासन दिया है। मोर्चे के प्रतिनिधि मण्डल सदस्य कामरेड ओमप्रकाश , नरेश शर्मा व बलबीर सिंह बजाड़ ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने 9 दिसम्बर , 2021को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ लिखित वायदे किये थे , उनको आज तक पूरा नही किया गया , 2025 को केन्द्रीय वित मन्त्री द्वारा प्रस्तुत बजट मे भी किसानों और खेत मजदूरों की बुनियादी मांग को नजरअंदाज किया गया है ।

इस बजट में किसानों के लिए डा. स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार एमएसपी की संवैधानिक गारंटी की कोई चर्चा नहीं की गई , कारपोरेट घरानों के कर्ज माफ कर दिए गये , परन्तु किसान मजदूरों के कर्ज मुक्ति की कोई चर्चा नहीं है । बिजली क्षेत्र का निजिकरण जोरशोर से किया जा रहा है , पूरे सार्वजनिक क्षेत्र को नीजि हाथों में सौंपने की तैयारी कर रखी है । मजदूरों के सभी सुरक्षा कानून खत्म करके चार कोड के नाम पर आचार संहिता थोपी जा रही है । शिक्षा स्वास्थ्य तथा मनरेगा पर बजट कम कर दिया है । सामाजिक क्षेत्र में अनुसूचित जाति व जन जाति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण का बजट घटा दिया है । देश में मनरेगा में 45 दिन का ही काम मिल रहा है , जबकि बजट में 200 दिन काम व 600 रुपये दिहाड़ी प्रतिदिन बढ़े तो औद्योगिक माल की मांग बढ़ सकती है।

यदि सरकार ने नया मण्डी कानून का प्रारूप वापिस नहीं लिया तथा किसानों को एकएसपी की संवैधानिक गांरटी नहीं दी तो भविष्य में जोरदार किसान आन्दोलन होगा । प्रतिनिधि मण्डल में संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य करतार ग्रेवाल , नरेन्द्र धनाना , महाबीर फौजी , प्रताप सिंह सिंहमार शामिल थे ।

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निगम अच्छा बीज व दवाइयां करवाएगा मुहैया : देवकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का उद्देश्य है कि किसानों की आय दोगुनी कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाई जाए, जिसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। यह बात हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन एवं नगर पालिका लोहारु के चुनाव प्रभारी देवकुमार शर्मा ने शनिवार को स्थानीय विकास नगर स्थित लोकसेवा पंचायत समिति के संरक्षक पंडित जयभगवान शर्मा के निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। भिवानी पहुंचने पर उनका लोकसेवा पंचायत समिति व ब्राह्मण विकास परिषद द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए देवकुमार शर्मा ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति और मजबूत करने के लिए निगम ने फैसला लिया है कि किसानों को अच्छा बीज व दवाई मुहैया करवाई जाएगी। चेयरमैन देवकुमार शर्मा ने कहा कि हरियाणा बीज विकास निगम के तहत सीजनल सब्जियों की पौज बनाकर लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

सतलोक आश्रम में जारी तीन दिवसीय कार्यक्रम हुए संपन्न

भिवानी। परमेश्वर कबीर साहेब के 507 वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कालुवास मोड़ स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे दिन शनिवार को संत गरीबदास महाराज के अमर ग्रंथ का अखंड पाठ का समापन हुआ। वही कार्यक्रम के तीनों दिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। आश्रम प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक प्रदर्शनी, रक्तदान शिविर, दहेज मुक्त रमैनी शादियों का भी सफल आयोजन किया गया। आध्यात्मिक प्रदर्शनी में सर्व धर्मों के लोगों ने पूर्ण ब्रह्म कबीर साहेब के अलौकिक एवं अद्वितीय ज्ञान व उनके सहशरीर सतलोक जाने की लीला और उनके द्वारा की गई अन्य लीलाओं को भी जाना और समझा। कबीर साहेब के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य मे लगाई गई आध्यात्मिक प्रदर्शनी में फीडबैक टीम ने बताया कि भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने फीडबैक में बताया कि आज उन्होंने जान के कबीर साहेब ही पूर्ण परमात्मा है।

मोदी और ट्रम्प के जलाए पुतले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। डोनाल्ड ट्रम्प के पुतले जलाने के लिए जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को चरखी दादरी के रोज गार्डन में कांग्रेसी नेताओं ने अमेरिका मे हुए 150 भारतीय युवाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार के प्रति अपना रोष जताया व अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला भी फूंका।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वही हरियाणा प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी की प्रवक्ता डॉ. मनीषा सांगवान ने बताया कि अमेरिका में भारतीयों के साथ हुआ दुर्व्यवहार निंदनीय है। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है. देश के लाखो युवा दर दर नोकरी के लिए भटक रहे हैं। इसीलिए हमारे युवा दूसरे देशों की तरफ पलायन कर रहे हैं। वहीं मनीषा सांगवान ने बताया कि किस तरह से हमारे नौजवानों को हाथ पैर बाँध के उनको वापस भारत भेजा गया, उनको जलील किया गया है । जैसे कि वो कोई आतंकवादी हो, और हमारी सरकार हाथ पे हाथ धरे चुप बेठी है, चुप क्यों हैं। ये सरकार की नाकामी है, अगर इतनी बेरोजगारी नहीं फैलती तो युवा देश छोड़कर नहीं जाते। भारत सरकार अगर इनको यहि भारत में ही नोकरी देती तो क्या ये लोग अपना देश छोड़कर जाते।

धनाना की बेटी साक्षी फिर बनी गोल्डन गर्ल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

धनाना गांव की बॉक्सर बेटी साक्षी एक बार फिर गोल्डन गर्ल बनी है। साक्षी ने सेना की तरफ़ से सर्विसेज़ टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 38वें नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीता है। यह प्रतियोगिता 31 जनवरी से 7 फरवरी तक पिथौरागढ़, उत्तराखंड में आयोजित हुई थी। नेशनल गेम्स में यह साक्षी की ये लगातार दूसरी स्वर्ण जीत है। इससे पहले उन्होंने गोवा में 2023 में आयोजित नेशनल गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। साक्षी हरियाणा के भिवानी जिले के धनाना गांव से हैं। साक्षी की जीत पर उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा है। साक्षी भिवानी बॉक्सिंग क्लब में अभ्यास करती है। उनकी जीत पर उनके पिता उनके पिता मनोज कुमार, कोच जगदीश व कमल प्रधान ने बधाई दी है।

कागजी कार्यवाही में जुटे भावी पार्षद, चेयरमैन दावेदार

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

- कस्बा के डेरा के महंत का नाम मनोनित करने पर हो रही पंचायतें, लंबे समय से कुर्सी का ख्वाब देखने वालों की उम्मीदों पर फिरेगा पानी

बवानी खेड़ा में नगर पालिका चुनावों को लेकर कस्बा में रौनक दिखने लगी है। हर भावी पार्षद, चेयरमैन दावेदार अपने अपने कागजों को पूरा करवाने में जुटे हुए हैं। बता दें की बवानी खेड़ा नगर पालिका में वार्ड 5, 6, 9, 12, 14, 16 अनुसूचित जाति, जिसमें 12 व 14 अनुसूचित महिला के लिए घोषित है, वार्ड 10 बीसी 'ए' महिला के लिए, वार्ड 15 बीसी 'बी' महिला के लिए, वार्ड 1, 8 महिला के लिए अनारक्षित है। बाकि वार्ड सामान्य श्रेणी के लिए तय किए गए निर्धारित किए हुए बताए जाते हैं।

ये हुआ चुनाव का शैडयूल: नगर पालिका चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की गई है। जिसके लिए नामांकन पत्र 12 व 16 फरवरी अवकाश के दिनों को छोड़कर 11 से 17 फरवरी तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 फरवरी को सुबह साढ़े 11 बजे से शुरू होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 19 फरवरी है। 19 फरवरी को तीन बजे चुनाव चिन्ह वितरित किए जाएंगे। दो मार्च को सुबह 8 से सांय 6 बजे तक मतदान होगा। वहीं 12 मार्च को मतगणना की जाएगी।

नगर पालिका चुनावों के नॉमिनेशन के लिए पहचान पत्र, आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र, रिहायशी, जाति प्रमाण पत्र, बिजली बिल, बैंकों, एमसी नो डयूज, दो फोटो, पुलिस वेरिफिकेशन की जरूरत होगी और इसके लिए तहसील कार्यालय के कमरा नंबर 7 में नॉमिनेशन जमा होगें व स्ट्रांग रूम व गिनती राजकीय महिला महाविद्यालय में होगी। जिसके लिए पूरी तैयारियां की जा रही है।

डेरा के महंत पर शहर ने लगाई मोहर तो लंबे समय से इंतजार करने वालों की उम्मीदों पर फिरेगा पानी

बवानी खेड़ा में नगर पालिका चुनावों को लेकर अनेक समुदायों में पंचायतों का दौर शुरू हो गया है। हर भावी उम्मीदवार सभी को अपनी और खिचने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। बवानी खेड़ा में वीके फोटो स्टेट के पास नो डयूज सहित नॉमिनेशन फार्म के लिए भीड़ देखने को मिल रही है। वहीं कस्बा में डेरा के महंत को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई है। यदि उनका नाम सर्वसम्मति से बनता है तो अंदाजा लगाया जा सकता कि बैठे बिठाए ही चेयरमैन चुना जाए ओर पिछले लंबे समय से चेयरमैन की कुर्सी का ख्वाब देखने वालों की उम्मीदों पर पानी फिरेगा। बाकि ये सब भविष्य के गर्भ में है।

निगम ने काटे बिजली चोरों के तार, कार्रवाई की फाइल तैयार

बिजली निगम की टीम ने छह-सात जगह पकड़ी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

शनिवार अल सुबह विद्युत निगम की टीम ने बवानीखेड़ा व जाटू लोहारी में बिजली चोरी पकड़ने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने छह-सात जगहों पर डायरेक्ट बिजली के तार के लगार बिजली चोरी होती पाई गई। निगम की टीम ने उक्त बिजली के तारों को काट दिया और उनके खिलाफ जुर्माना लगाने व कानूनी कार्रवाई करने का मसौदा तैयार कर दिया।

निगम की टीम के इस तरह के अभियान के बाद उपभोक्ताओं में हड़कम्प मच गया। शनिवार सुबह करीब छह बजे विद्युत निगम की टीम गांव लोहारी जाटू पहुंची। टीम ने जाते ही खंभों पर लगे बिजली के मीटरों के बॉक्सों की जांच करनी आरंभ की। इस दौरान गांव लोहारी जाटू में करीब चार-पांच जगहों पर बिजली के तार डायरेक्ट लगे हुए मिले। जिनकी पहले वीडियो ग्राफी की और उसके बाद उन तारों को काटा गया। इस दौरान बिजली चोरी करते पकड़े गए उपभोक्ताओं के खिलाफ जुर्माना करने तथा कानूनी कार्रवाई किए जाने की फाइल तैयार की गई। जाटू लोहारी में करीब दो घंटे तक टीम का अभियान जारी रहा। उसके बाद टीम बवानीखेड़ा पहुंची। वहां पर भी दो जगहों पर बिजली के तार डायरेक्ट मिले। जिनके सहारे बिजली की चोरी की जा रही है। टीम ने उक्त तारों को काटा और उपभोक्ताओं के खिलाफ कागजी कार्रवाई की।

बवानीखेड़ा। अल सुबह खंभे पर लगे बिजली के मीटरों की जांच करती विद्युत निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

हालांकि अभी उपभोक्ताओं पर कितना जुर्माना पड़ेगा,यह तो सोमवार व मंगलवार को तय हो पाएगा,लेकिन जिस हिसाब से बिजली के डायरेक्ट तार लगे मिले है। उससे साबित हो रहा है कि निगम मोटा जुर्माना करने के मूड में है। जिस वक्त टीम का अभियान जारी था। उस वक्त उपभोक्ताओं में हड़कम्प मच गया। टीम में कनिष्ठ अभियंता अजय राणा, सुमित, फोरमैन विजेंद्र, सतीश, विनोद तथा लाइनमैन भीम सिंह शामिल थे।

बिजली का नहीं लगा कट

बवानीखेड़ा व आसपास गांवों में सुबह सात बजे बिजली का एक घंटे के लिए कट लगता था,लेकिन आज बिजली का कट नहीं लगा। साढे आठ बजे तक बिजली की सप्लाई जारी रही। लोगों के मुख पर बिजली के कट की बात थी,पर किसी को यह समझ नहीं आ रहा था कि आज किस वजह से बिजली की सप्लाई चल रही है। कुछ लोग कहते सुने गए कि आज दिल्ली के चुनावों के नतीजे आने है। कुछ कह रहे थे कि निगम के कर्मचारी कट लगाना भूल गए,लेकिन बिजली की सप्लाई चालू रखना निगम के अभियान का एक हिस्सा था। क्योंकि जिस वक्त छापे मारे जा रहे थे। उस वक्त बिजली की सप्लाई इस लिए चालू रखी गई कि यह जानकारी मिल सके कि बिजली की चोरी हो रही है या नहीं। अगर बिजली काट दी जाती तो जिन लोगों ने बिजली की चोरी के लिए तार लगाया हुआ था वे तार को हटा लेते।

चाट भंडार की दुकान के मालिक ने किया 13 वर्षीय मासूम बच्चे के साथ कुकर्म, पुलिस ने केस दर्ज किया

लोहारू। शहर के एक चाट भंडार के मालिक द्वारा अपनी ही दुकान पर नौकरी करने वाले एक 13 वर्षीय अनुसूचित जाति के मासूम किशोर के साथ कथित रूप से कुकर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। करीब तीन दिन पुरानी इस घटना से सहमे मासूम ने उस वक्त अपने परिवार को इस घटना के बारे में बताया जब उसके गले व शरीर के कई हिस्सों में दर्द होने लगा। यहीं नही पिछले दो दिनों से इस घटना को लेकर लोगों में चर्चाएं थी तथा वार्ड के पूर्व पार्षद सोनू निनानियां और वार्ड के लोगों ने इस मामले में संज्ञान लिया पीड़ित परिवार से इस बारे में बातचीत करके घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले में जांच कार्रवाई शुरू कर दी और पीड़ित मासूम के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी एक 13 वर्षीय मासूम अपनी परिवार की आर्थिक परेशानियों के चलते मलवाणा धाम के सामने एक चाट भंडार की दुकान पर पांच हजार रुपये मासिक में नौकरी करता था। पुलिस को दिए बयान में मासूम के पिता ने बताया कि वह करीब पांच वर्षों से लकवा की शिकायत के कारण घर पर रहता है तथा उसका 13 वर्षीय बेटा ही मजदूरी करके परिवार का पेट पाल रहा था। उसका बेटा डेढ़ माह से मलवाणा धाम के सामने एक चाट भंडार की दुकान पर पांच हजार रुपये महीना की नौकरी करता था, जिससे परिवार का गुजारा चल रहा था। लेकिन चार पांच दिन पहले दुकान के मालिक ने उसके बेटे के साथ कुकर्म कर डाला और अप्राकृतिक कार्य किया।

- डेढ़ माह से चाट भंडार की दुकान पर नौकरी कर रहा था पीड़ित मासूम

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
■ मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफ:	-19.73%
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	-14.02%
■ एबीएसएल स्मॉल कैप फंड:	-13.65%
■ बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंड:	-13.30%
■ फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंड:	-13.06%
■ डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्स:	-12.94%
■ महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड:	-12.89%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-12.73%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.63%
■ आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.59%
■ एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.57%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.56%
■ निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.46%

■ एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.46%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	-11.52%
■ एसबीआई स्मॉल कैप फंड:	-11.42%
■ कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.01%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	-10.86%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	-10.55%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-10.15%
■ कोटक स्मॉल कैप फंड:	-10%
■ यूनियन स्मॉल कैप फंड:	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	35%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	30.64%
■ इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड:	29%
■ टाटा स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एडलवाइस स्मॉल कैप फंड:	27.76%
■ फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27.61%
■ एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड:	27.58%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27%
■ एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड:	26.76%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	25.67%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	25.35%

(डिस्क्लेमर: किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

दिल्ली की जनता को आपदा से मिली मुक्ति : भवानी सिंह

दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत से फतेहाबाद के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह नजर आया। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लाल बत्ती चौक पर लड्डू बांटकर इस ऐतिहासिक जीत की खुशी मनाई और दिल्ली की जनता का आभार जताया। बता दें कि ठाकुर भवानी सिंह की पार्टी हाईकमान द्वारा दिल्ली चुनावों को लेकर अहम जिम्मेवारी सौंपी गई थी। दिल्ली के मुस्तफाबाद में ठाकुर भवानी सिंह पिछले करीब एक महीने से भाजपा उम्मीदवार मोहन विष्ट की जीत के लिए लगातार चुनाव प्रचार में जुटे हुए थे। ठाकुर भवानी सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भ्रष्टाचार का पर्याय बन कर आम आदमी पार्टी पर झाड़ू फेरने का काम किया है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के अनेक बड़े नेताओं को चुनावों में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को 11 साल तक झूठ और लूटने का काम किया।

फतेहाबाद। दिल्ली में ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटते भाजपा नेता भवानी सिंह। फोटो : हरिभूमि

यह जीत कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम : कंबोज

सिरसा। भाजपा की दिल्ली में ऐतिहासिक जीत की खुशी में जिला भाजपा कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांट कर व ढोल की थाप पर नाचकर जश्न मनाया। इस माके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शिशपाल कंबोज, भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश चोपड़ा, रोहताश जांगड़ा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिशपाल कंबोज ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी की जन-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के झूठे वादों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तानाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है।

दिल्ली में भाजपा के विश्वास की जीत : ग्रोहा

फतेहाबाद। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रचण्ड जीत पर आज बीजेपी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष स. बलदेव ग्रोहा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जलेबियां बांटकर खुशी मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को भाजपा की प्रचण्ड जीत की बधाई व शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने खुशी जताते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा के विश्वास की जीत हुई है और आम आदमी होने की नौटंकी करने वाले भ्रष्ट आम आदमी पार्टी की हार हुई है। अब दिल्ली आप-दा मुक्त हो गई है, अब खुशहाली आएगी। जनता को भाजपा पर अटूट विश्वास हो चुका है।

बाइक सवार मोबाइल छीनकर हुए फरार

फतेहाबाद। शहर में बाईक सवार दो बदमाश एक युवक से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इस बारे पीड़ित युवक द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में डीएसपी रोड फतेहाबाद निवासी दीपांशु ने कहा है कि गत दिवस अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। जब वह भागीरथ चौक के पास पहुंचा तो इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आए दो युवकों ने उसके हाथ से उसका मोबाइल छीन लिया और भागने लगे। इस पर उसने अपने बाईक से उक्त युवकों का पीछा किया तो उक्त युवकों ने उसे मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बाद में पीड़ित युवक ने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

स्वस्थ शरीर और मस्तिस्क परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक : सुभाष

- महिला कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। महिला कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते रोडवेज विभाग से स्टेशन सुपरवाइजर सुभाष। फोटो : हरिभूमि

चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला कॉलेज, भोडिया खेड़ा में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और व्यावहारिक रणनीतियां प्रदान करना रहा। रोडवेज विभाग से स्टेशन सुपरवाइजर सुभाष ने छात्राओं के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई प्रभावी विधियां साझा की। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और छात्राएं विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहती हैं। उन्होंने छात्राओं को पर्याप्त नींद, पोषक आहार और नियमित शारीरिक गतिविधि पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

कला व संगीत का अद्भूत संगम

- क्रेसण्ट स्कूल में मनाया गया ओपेरा दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

क्रेसण्ट पब्लिक स्कूल में कला एवं संगीत के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु ओपेरा दिवस बड़े उत्साह एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। विशेष प्रार्थना सभा में डारसी व चिराग के मंच संचालन में माधव, गुनिका एवं सूर्यदेव ने प्रेरणादायी सुविचार प्रस्तुत किए। छात्रा कृति ने संगीत का जादू हवा में फैल जाता है कविता के सस्वर वाचन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्र नमन ने अपने सुव्याख्यान के माध्यम से ओपेरा कला के इतिहास, महत्व एवं प्रभाव के बारे में वर्णन किया। ओपेरा दिवस को और भी मनमोहक बनाने के लिए कक्षा नौवीं व सातवीं की छात्राओं ने श्री कृष्ण की भक्ति से जुड़े गीत निसदिन करूँ मैं तेरी पूजा की प्रस्तुति दी। नवदीप व प्राची ने ओपेरा दिवस से संबंधित सामान्य ज्ञान के प्रश्न व स्पेलिंग्स पूछकर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या पूनम ने कहा कि इस आयोजन से न केवल विद्यार्थियों को ओपेरा की अद्भूत दुनिया से परिचित कराया बल्कि उनमें कला एवं संगीत के प्रति रूचि भी जागृत की।

दो बाइक में टक्कर 11वीं का छात्र घायल

फतेहाबाद। भूना क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में बाइक सवार छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस को दी शिकायत में डूल्ट निवासी रिन्कू ने कहा है कि उसका 16 साल का लडका मनीष ढाणी सांचला के सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं में पढ़ता है। गत दिवस वह घर से स्कूल ढाणी सांचला गया था। कुछ देर बाद उसे सूचना मिली कि मनीष का एक्सीडेंट हो गया है और उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इसके बाद जब वह अग्रोहा मेडिकल कॉलेज पहुंचा तो देखा मनीष को काफी चोटें आई हुई थी और चिकित्सकों ने उसे वहां से रेफर कर दिया। इसके बाद वह मनीष को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में ले गया जहां उसका उपचार चल रहा है।

बाबा रामदेव साम्प्रदायिक सद्भावना के प्रतीक : दुड़ाराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

श्री रामदेव सेवा समिति की ओर से संचालित शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा में माघ माह की चांदनी महादशमी को बाबा रामदेव महाराज का अर्धवार्षिक जम्मा, जागरण का आयोजन किया गया।

जागरण का शुभारंभ पूर्व विधायक दुड़ाराम ने बाबा रामदेव महाराज की पावन एवं सांची जोत प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने समिति प्रधान रमेश जोइया के साथ बाबा रामदेव महाराज को फूलों की माला अर्पित कर विधि विधान से बाबा रामदेव महाराज की पूजा, अर्चना व अराधना की। श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए दुड़ाराम ने कहा कि बाबा रामदेव महाराज साम्प्रदायिक सद्भावना और एकता के प्रतीक है क्योंकि बाबा रामदेव महाराज को 36 बिरादरी के लोग पूजते हैं।

फतेहाबाद। पूर्व विधायक दुड़ाराम को सम्मानित करते समिति सदस्य।

विधायक को नवाजा

उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव महाराज प्रगतिशील विचारक थे और उन्होंने जातिगत भेदभाव को मान्यता नहीं दी। उन्होंने अछूतोद्धार के लिए सफल प्रयास किया था। वह वास्तव में सच्चे समाज सुधारक थे और उन्होंने ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव मात्र का कल्याण किया। यही कारण है कि हर वर्ग, हर जाति और हर धर्म के लोग उन्हें समान रूप से पूजते हैं। समिति प्रधान रमेश जोइया ने समिति सदस्यों के साथ पूर्व विधायक दुड़ाराम को सम्मान स्वरूप पगड़ी पहनाकर और शाल ओढ़ाकर व बाबा रामदेव महाराज की प्रतिमा भेटकर सम्मानित किया।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुंगरपुर के धानक चौपाल के पुराने चौके 191 Nos. और गाटर 31 Nos. की नीलामी दिनांक 10.02.2025 को दोपहर पूर्व 11 बजे, स्थान धानक चौपाल निश्चित किया गया है। जमानत राशि रु. 5000/- रखी गयी है। नीलामी से सम्बन्धित अन्य शर्तें मौके पर सुना दी जाएंगी।

सरपंच, जगदीश
ग्राम पंचायत सुंगरपुर, खण्ड कैरू,
जिला भिवानी, मो. 9671096000

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....
पता.....तहसील .....पिन.....
जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....

सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन

नियम व शर्तें हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ⏭ बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ⏭ योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ⏭ हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ⏭ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ⏭ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ⏭ हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ⏭ यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ⏭ वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ⏭ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ⏭ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ⏭ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ⏭ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ⏭ प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ⏭ पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ⏭ किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ⏭ अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ⏭ ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ⏭ विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ⏭ प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ⏭ सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी, फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

खबर संक्षेप

धरनारत किसानों को दिया समाधान का आश्वासन

तोशाम। गांव खरकड़ी सोहान में अनिश्चितकालीन धरना दे रहे किसानों को किरण चौधरी ने उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। सांसद किरण चौधरी के निर्देशानुसार उनके प्रतिनिधि एडवोकेट हरिसिंह सांगवान धरना दे रहे किसानों के बीच पंहुचे और किसानों की सांसद किरण चौधरी से फोन पर बात कराई। इस पर सांसद व पूर्व मंत्री किरण चौधरी ने किसानों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। धरने पर पंहुचे एडवोकेट हरि सिंह सांगवान ने सांसद किरण चौधरी को फोन कर किसानों की मांगों से अवगत करवाया, किरण चौधरी ने कहा कि किसानों की जो समस्या है उनका जल्द ही समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

भाजपा जिला कार्यालय में जलेबी बांटकर मनाई खुशी

भिवानी। दिल्ली चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में जलेबी बांटकर खुशी मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश गौड ने की तथा हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, जिला महामंत्री शिवकुमार पाराशर, हर्षवर्धन मान, पूर्व चेयरमैन सुंदर अत्री भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

दिल्ली में भाजपा की जीत पर बाढ़ड़ा में मनाई खुशी

बाढ़ड़ा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर बाढ़ड़ा में कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मिठाई करवाया। दिल्ली में जीत पर भाजपा किसान मोर्चा सहित दूसरे पदाधिकारी मास्टर चंद्रपाल की अगुवाई में एकत्रित हुए। उन्होंने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर भाजपा जीत की बधाई। भाजपा पदाधिकारियों ने शनिवार चार बजे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा सरकार केंद्र में अनेक विकास कार्य करवा रही है। उसी का परिणाम है कि उनक विकास कार्यों से प्रभावित होकर पहले हरियाणा में सरकार बनी और उसके बाद अब दिल्ली में सरकार बनी है।

जनता ने लूट की नीति का जवाब दिया : सांगवान

चरखी दादरी। भाजपा के दादरी विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि दिल्ली की जनता ने पूर्ण बहुमत भाजपा की झोली में डालकर यह साबित कर दिया है कि विपक्ष की झूठ और लूट की नीति ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह विशेष रूप से दिल्ली में हुई भाजपा की जीत के लिए बधाई के पात्र हैं। अरविंद केजरीवाल की सरकार ने अपने राज में दिल्ली को बर्बाद करने का काम किया है।

पीजीटी लेक्चरर शैलेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला कौशल से जीता पहला पुरस्कार

भिवानी। पीजीटी फिजिक्स लेक्चरर शैलेश कुमार को सम्मानित करते हुए।

- शिक्षा मंत्रालय की ओर से कला समेकित शैक्षिक विधियां प्रतियोगिता में पाया पहला स्थान
- विज्ञान जैसे गूढ़ विषय को आसान भाषा में बच्चों को समझाने की पेश की कला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

लेघां गांव के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीजीटी फिजिक्स लेक्चरर शैलेश कुमार ने अपनी कला कौशल के बल पर राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के विकसित भारत अभियान के बैनर तले शिक्षकों द्वारा कला समेकित शैक्षिक विधियां प्रतियोगिता में पीजीटी फिजिक्स लेक्चरर शैलेश कुमार ने हरियाणा की ओर से भाग लिया। छह व सात फरवरी को हुई इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा कठिन से कठिन विषय को भी आसान भाषा में समझाने के लिए कला कौशल का प्रयोग किया गया। यही इस प्रतियोगिता की थीम रहा। लेक्चरर शैलेश कुमार का फिजिक्स विषय था। इस विषय को विज्ञान का सबसे कठिन विषय माना जाता है। इस विषय को समझाने के लिए शैलेश कुमार ने जो कला कौशल प्रदर्शित किया, उससे उन्होंने आयोजकों को प्रभावित किया। सभी ने माना कि अगर इस प्रकार से विज्ञान जैसे गूढ़ विषयों को भी आसान भाषा में बच्चों को समझाया जाए तो गांव-देहात का बच्चा भी इन विषयों में महारत हासिल कर सकता है। लेक्चरर शैलेश कुमार के अध्यापन कौशल को देखते हुए विकसित भारत अभियान के इस कला उत्सव कार्यक्रम में उन्हें प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। एनसीईआरटी दिल्ली के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 25 हजार रुपये नकद राशि, ट्रॉफी और एक गोल्ड मेडल दिया गया। इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान राजस्थान व तीसरा स्थान केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का रहा।

बच्चों को गूढ़ ज्ञान देना ही ध्येय: शैलेश

लेक्चरर शैलेश कुमार ने बताया कि वे अपने विषय में बच्चों को बेहतर से भी बेहतर पढ़ाई कराने का प्रयास करते हैं। अपने विज्ञान के ज्ञान से वे बच्चों को गूढ़ ज्ञान देते हैं। यही उनका ध्येय है। वे देश व प्रदेश की अनेक प्रतियोगिताओं में वह भाग लेते रहते हैं। उसके द्वारा फिजिक्स विषय को पढ़ाने की जो तकनीक विकसित की गई है, उस तकनीक से पढ़ाए जाने पर जिला भिवानी के सभी स्कूलों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम काफी सुधरा है। यह सुधार इस समय लगभग 20 प्रतिशत के करीब है। लेक्चरर शैलेश कुमार ने यह भी बताया कि उन्होंने यूनेस्को द्वारा हैदराबाद में अक्टूबर 2022 में स्पेसियल तकनीक का किसानों की समृद्धि के लिए किस प्रकार से प्रयोग किया जाए, उस पर अपने स्कूल के बच्चों को ले जाकर उस तकनीक का प्रदर्शन भी किया था। वह प्रतियोगिता विश्व स्तर की थी। विश्व स्तर के आयोजन में भिवानी जिला के लेघां गांव के बच्चों द्वारा अपने ज्ञान का मजबूती से प्रदर्शन किया गया। इसमें हरियाणा प्रदेश को विश्व स्तर पर द्वितीय स्थान उपलब्ध हुआ था।

सवा सौ का कार्य मुक्कमल, 50 गलियों का चल रहा कार्य

नारियल फोड़कर करवाया कच्ची गलियों के निर्माण का काम शुरू

नहीं रहेगी शहर में कोई गली कच्ची, साथ-साथ होगा शहर के सौंदर्यकरण का काम: भवानी प्रताप

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। नारियल फोड़कर गली का शुभारंभ करवाते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह। फोटो: हरिभूमि

शहर की कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। तमाम कच्ची गलियों को पक्का करवाए जाने का अभियान जारी है। इसी क्रम में शनिवार को नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने वार्ड संख्या 8 (भारत नगर) में नारियल फोड़कर कच्ची गली को पक्का करवाए जाने के कार्य का शुभारंभ करवाया। इस दौरान वहां पर मौजूद लोगों का नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने मुंह मीठा करवाया। उसके बाद गली को पक्का करने का काम शुरू हुआ। इस दौरान पार्षद संदीप तंवर, सूर्या तंवर, हर्षदीप, राजपाल पीटीआई, नाहर सिंह व अनेक लोग मौजूद थे।

पौने दो सौ गलियों का निर्माण कार्य शुरू

यहां यह बताते चले कि नगरपरिषद के अभी तक शहर में करीब पौने दो सौ गलियों का निर्माण कार्य चल रहा है,इनमें से सवा सौ गलियों का निर्माण कार्य मुक्क्मल हो चुका है। बाकी करीब 50 गलियों का निर्माण कार्य चल रहा है।

साथ ही पार्षदों से उनके इलाके की कच्ची गलियों की सूची मांगी जा रही है। ताकि इन गलियों को भी बारिश का सीजन आने से पहले टेंडर प्रक्रिया पूरी करके निर्माण कार्य करवाया जा सके। इनके अलावा शहर के सौंदर्यकरण के तहत सभी प्रवेश मार्गों के डिवाईडरों पर पाम के पौधे लगाए जा चुके है। फुटपाथों का भी सौंदर्यकरण का कार्य जारी है। सभी गलियों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहर की सौंदर्यकरण को पंख लग जाएंगे।

धन की नहीं है कमी,शहर को साफ व सुंदर बनाया जाएगा: भवानी प्रताप सिंह

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर की किसी भी क्षेत्र की कोई गली कच्ची नहीं रहेगी। इसके लिए नगरपरिषद लगातार शहर की गलियों को पक्का करवाए जाने का कार्य कर रही है। इनके अलावा शहर के सौंदर्यकरण का भी कार्य जारी है। शहर की सभी गलियों को पक्का करवाए जाने के बाद सौंदर्यकरण को पंख लग जाएंगे। साथ ही स्वच्छता भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि अभी तक करीब सवा सौ गलियों का कार्य पूरा करवाया जा चुका है। 70-75 गलियों के निर्माण कार्य जारी है। कुछ के टेंडर किए जा रहे है। जिनकी प्रक्रिया जारी है।

भगवा की सुनामी में बिखर गया झाड़ू: रीतिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

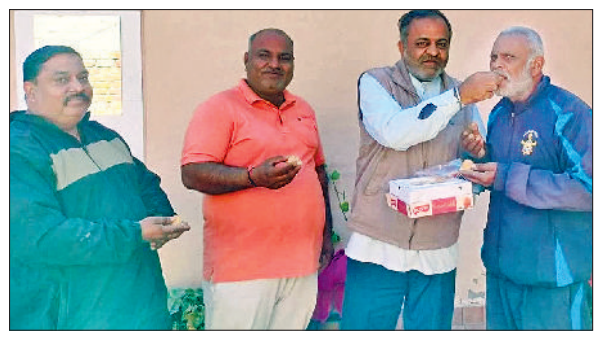

भिवानी। भाजपा की जीत के बाद मुंह मीठा करवाते भाजपा नेता रीतिक वधवा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी को प्रचंड जीत मिली है ।दिल्ली में मिली इस भव्य जीत के लिए अपना दिन-रात एक करने वाले बीजेपी के सभीकार्यकर्ताओं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्लीवासियों को हार्दिक बधाई । उक्त शब्द हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा नई दिल्ली चुनाव परिणामो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहे । उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव परिणामो से दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता,जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है । इस अवसर पर एडवोकेट संदीप यादव, विजय कौशिक पालूवास, बाबूलाल स्वामी, अशोक दूल्हेडी ,डॉ हरीश गोस्वामी ,राजीव शर्मा, सुनील यादव, सुषमा शर्मा, एडवोकेट राकेश वत्स ,दलवीर, पूर्व किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अशोक तिगड़ी ,अजीत तिगड़ी, भूपेंद्र तिगड़ी, सुरेंद्र , कृष्ण यादव , पंकज कुमार, मनीष कुमार, नवीन कुमार, हेमंत , ढिल्लू देवसर , डॉ. योगेश , पंकज तिलक ,राजेश गाबा ,अरविंद, राजन , दीपक कुमार शिवदत्त चांदना आदि मौजूद रहे।

बच्चे मेहनत से जी न चुराएं

- कड़ी मेहनत कर लक्ष्य को प्राप्त करें छात्र : मालवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल ने कहा है कि छात्र-छात्राएं कड़ी मेहनत कर लक्ष्य को प्राप्त करें। बिना मेहनत सफलता हासिल नहीं की जा सकती। इसलिए निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी से अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को अनुशासित रहते हुए निरंतर कड़ी मेहनत करने की नसीहत दी।

शनिवार को वे आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित वार्षिक पारितोषिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोल रहे थे। रामचन्द गंगवा व तोशाम के सरपंच राजेश तंवर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। स्कूल संचालक जेसी मालवाल, योगेंद्र मालवाल व प्राचार्य भारत भूषण ने अतिथियों का स्वागत किया। माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ने कहा कि बच्चे मेहनत से जी न चुराएं और समय का सदुपयोग करें। रामचन्द्र गंगवा ने कहा कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसलिए जरूरी है समय का प्रबंध सही तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में सर्वोच्च सफलता हासिल करने के लिए समय की कीमत को समझना होगा। समय इतना बेशकीमती है कि जब बर्बाद होता है तो दोबारा हासिल नहीं होता। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सभी को समय के साथ चलना होगा। इस दौरान बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ स्कूली स्तर की परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

हिमांशी ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया

- बीके स्कूल में विदाई समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बीके स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह का वातावरण रहा। इस अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों सुरेश जांगड़ाए सुभाष शर्माए बिजेंद्र जांगड़ा एवं जोगेन्द्र जांगड़ा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा अपने बड़े भाई.बहनों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए कुछ मनोरंजन खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें न्यूज पेपर डांस, लड़कों के द्वारा रोटी बनाना, गुब्बारों द्वारा संतुलन बनाना आदि शामिल थें। उन्होंने अपनी सीनियर को स्मृति स्वरूप उपहार भी भेंट किए। कक्षा बारहवीं से छात्रा श्वेता एवं प्रियांशी ने विद्यालय काल के अपने खट्टे मीठे अनुभवों को सबके साथ सांझा किया। कक्षा बारहवीं की छात्रा हिमांशी द्वारा शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपने आचार्य वर्ग को स्मृति स्वरूप भेंट प्रदान की। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने अपने वक्तव्य में विद्यालय काल को मानव जीवन का सबसे श्रेष्ठतम एवं महत्वपूर्ण काल बताया। जिस पर पूरे भविष्य की नींव टिकी होती है।

कुमारी नीतू बनी बेस्ट एथलीट

- तोशाम के महिला महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन छात्राओं के पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि दलवीर गोदारा पूर्व प्राचार्य ने शिरकत की और छात्राओं को खेल के महत्व के बारे में बताया।

इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर मंजीत सिंह ने दलवीर गोदारा का स्वागत किया और महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 200 मीटर दौड़ में नीतू प्रथम, भावना द्वितीय तथा प्रार्थना तृतीय स्थान पर रही लंबी कूद प्रतियोगिता में नीतू प्रथम, शर्मिला द्वितीय, अंकित तृतीय स्थान पर रही डिस्कशन में नीतू प्रथम, प्रार्थना द्वितीय, शर्मिला तृतीय स्थान पर रही तो शॉटपुट में नीतू व प्रार्थना संयुक्त रूप से प्रथम, शर्मिला द्वितीय तथा आर्थिक तृतीय स्थान पर रही वहीं रिले रेस में प्रथम स्थान भावना की टीम ने द्वितीय स्थान नीतू की टीम ने और तृतीय स्थान प्रार्थना की टीम ने प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में नीतू प्रथम, भावना द्वितीय और मुस्कान तृतीय स्थान पर रही, 3000 मीटर दौड़ में प्रार्थना प्रथम, उषा द्वितीय स्थान पर रही 1500 मीटर दौड़ में प्रार्थना प्रथम, मुस्कान द्वितीय और मुस्कान तृतीय स्थान पर रही तो 800 मीटर दौड़ में प्रार्थना प्रथम, मुस्कान द्वितीय और भावना तृतीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में प्रार्थना प्रथम, नीतू द्वितीय और भावना तृतीय स्थान पर रही। जैवलिन थ्रो में प्रथम स्थान शर्मिला ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान नीतू ने प्राप्त किया और रेनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नीतू, द्वितीय स्थान शर्मिला और तृतीय स्थान ज्योति ने प्राप्त किया। बेस्ट एथलीट कुमारी नीतू रही।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर राजेंद्र, डॉ वीरेंद्र ख्यालिया, डॉ. विनोद कुमार, सुरेंद्र चहल, जयपाल शास्त्री आदि सहित समस्त स्टाफ सदस्य व अनेक छात्राएं मौजूद थी।

दिल्ली में प्रचंड जीत से झूमे भाजपा कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

भिवानी। दिल्ली की जीत के बाद जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिले प्रचंड बहुमत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को जीत की बधाई दी व मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने पीएम मोदी की नीतियों पर मुहर लगाकर डबल इंजन की सरकार में अपना भविष्य देखा है। शनिवार को जैसे ही विधानसभा चुनावों के रूझान भाजपा के पक्ष में आए तो कार्यकर्ताओं की खुशी का ठिकाना न रहा।

भाजपा कार्यकर्ता पूर्व मंडल प्रधान सुनील शर्मा के आवास पर स्थित भाजपा कार्यालय में पहुंचने लगे। कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जीत को पीएम मोदी व दिल्ली के लोगों की जीत बताया जिन्होंने पूर्व सीएम केजरीवाल के चुनावी वादों पर यकीन नहीं करते हुए दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने का फैसला लिया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा के पक्ष में नारेबाजी की व कहा कि राजधानी भगवा में रंगने के बाद अब पूरा देश एकसूत्र में बंध गया है। वहीं, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने दिल्ली में भाजपा की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि यह जीत पीएम मोदी के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों में जनता के विश्वास का प्रमाण है। दिल्ली की जनता ने विकास व सुशासन के प्रति अपना समर्थन जताया है। पूर्व केबिनेट मंत्री जेपी दलाल ने दिल्ली चुनावों में भाजपा की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि पीएम मोदी के कश्मिाई नेतृत्व पर पूरा देश विश्वास करता है।

दिल्ली की जनता ने झूठ की राजनीति का किया अंत: चावला

दिल्ली जीत पर भिवानी में जश्न, बंटी मिठाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। दिल्ली जीत पर आपस में मुंह मीठा करवाते भाजपा कार्यकर्ता।

दिल्ली चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की खुशी में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने हांसी गेट स्थित इंपूर्वमेंट ट्रस्ट मार्केट में जलेबी वितरित कर खुशी मनाई। इस मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विनोद चावला ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासात्मक सोच पर मोहर लगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर उन्हे आप-दा की सरकार से छुटकारा मिला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के बहुत से लोग दिल्ली में निवास करते है। ऐसे में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में हो रहे अभूतपूर्व विकास कार्यो से काफी प्रभावित है तथा दिल्ली में भी हरियाणा की तर्ज पर ही विकास करवाना चाहते है।

पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार बनने पर बांटी जलेबी

भिवानी। दिल्ली में पूर्ण बहुमत से भाजपा सरकार बनने पर शनिवार को भाजपाइयों ने कैरू की मुंगीपा धर्मशाला में जलेबी बांटकर खुशी मनाई। भाजपाइयों ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैजिक बताया और कहा कि दिल्ली की जनता ने लोकसभा के बाद विधानसभा में भी भाजपा पर अपना विश्वास जताया है और एक तरफा भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का काम है। भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं बीडीसी रमेश लालावास ने कहा कि केजरीवाल ने सदैव दिखावे और झूठ की राजनीति की है। पिछले 10 साल में दिल्ली में विकास कार्य के नाम पर कुछ नहीं किया है। दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल की झूठी राजनीति को नकारते हुए भाजपा की सत्य पर विजय दिलाने का काम किया है। दिल्ली में अब डबल इंजन की सरकार विकास को नई गति देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार उन्नति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2050 तक विकसित भारत का सपना अब सकार होगा।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

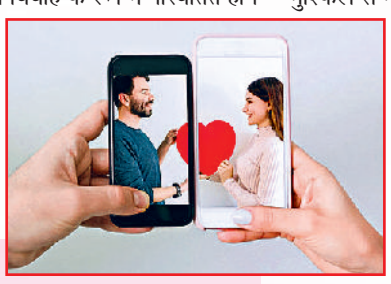

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

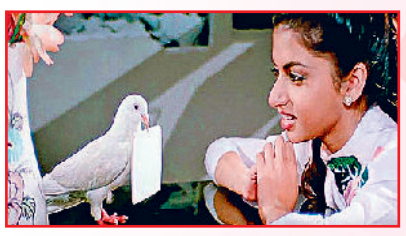

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *